

मूषिकांचन पुं. (तत्.) गणेश।

मूषिका स्त्री. (तत्.) 1. चुहिया, छोटा चूहा 2. मूसाकानी लता।

मूषिकाद पुं. (तत्.) बिडाल, बिल्ली, मूषिकाराति।

मूषिकाराति पुं. (तत्.) बिल्ली, मार्जार, बिडाल।

मूषीक पुं. (तत्.) बड़ा चूहा।

मूषीकरण पुं. (तत्.) घरिया में सोना, चाँदी आदि गलाने की क्रिया या भाव।

मूस पुं. (तद्.) चूहा।

मूसक पुं. (तद्.) चूहा।

मूसदानी स्त्री. (देश.) चूहादानी, चूहा फँसाने या पकड़ने का पिंजरा।

मूसना स.क्रि. (तद्.) 1. किसी चीज को चुराकर ले जाना 2. ठगना 3. लूटना।

मूसर पुं. (देश.) 1. मूसल, धान आदि कूटने का लकड़ी का एक उपकरण 2. मूसल जैसा प्राचीन काल का एक अस्त्र 3. राम, कृष्ण आदि के चरणों में माना जाने वाला ऐसा एक चिह्न जो महान पुरुषों की निशानी है 4. पानी बेल नामक लता।

मूसल पुं. (तत्.) दे. मूसर।

मूसलचंद पुं. (देश.) 1. गंवार, असभ्य 2. अनपढ़ 3. मूर्ख 4. हट्टा कट्टा परंतु निकम्मा आदमी, जैसे- दाल भात में मूसलचंद- किसी कार्य में हस्तक्षेप करने वाला अवांछित व्यक्ति।

मूसला जड़ पुं. (देश.) वृक्षों और पौधों में दो प्रकार की जड़ें पाई जाती हैं "मूसला" जड़ और "झाखरा" जड़, मूसला जड़ मोटी, एकल और जमीन में दूर तक जाने वाली होती है इसकी शाखायें प्रशाखायें नहीं निकलती जबकि झाखरा जड़ में अनेक शाखा प्रशाखा वाली जड़ें निकलती है।

मूसलाधार अव्य. (देश.) मूसल के समान मोटीधार उदा. मूसलाधार बारिस हो रही है।

मूसली पुं. (तद्.) हल्दी की जाति का एक औषधीय गुणों वाला पौधा, मुशली।

मूसा पुं. (तद्.) 1. मूषक, चूहा 2. पुं.(अर.) यहूदियों के एक प्रसिद्ध धार्मिक नेता जिन्होंने मिस्र के इसराइलियों को दासता से मुक्त किया। उन्हें पैगम्बर (देवदूत) माना गया और इन्हीं के समय से पैगम्बरी मत का आरंभ हुआ। इनके उपदेशों का संग्रह "तौरैते" के नाम से प्रसिद्ध है।

मूसाई पुं. (अर.+हि.) 1. यहूदी, मूसा धर्मानुयायी 2. मूसा से संबंधित।

मूसाकानी स्त्री. (तद्.) एक औषधीय बेल जिसके सभी अंग औषधि के रूप में काम आते हैं। विशेषकर चूहे के काटने पर उसका विष दूर करने के लिए इसे पीसकर लेप लगाया जाता है और इसका काढ़ा भी पिलाया जाता है।

मूसा-हिरन पुं. (देश.) एक छोटा हिरन।

मूसीकार पुं. (अर.) 1. एक कल्पित पक्षी जिसके बारे में यह माना जाता है कि इसकी चोंच में अनेक छेद होते हैं और इन छेदों से अनेक प्रकार के स्वर या राग निकलते हैं, सभी जातियों के मत से मनुष्यों में संगीत का प्रचार इसी के गाने सुनकर हुआ 2. अरब देश का एक प्रकार का बाजा 3. संगीतज्ञ, संगीत कलाकार।

मूसीकी स्त्री. (अर.) संगीत कला, गान विद्या, गंधर्व कला।

मृकंडु पुं. (तत्.) मार्कंडेय ऋषि के पिता जो स्वयं भी एक ऋषि थे।

मृग पुं. (तत्.) 1. जंगली पशु 2. हिरन 3. आखेट योग्य पशु 4. कस्तूरी 5. हाथी की एक जाति जिसकी बड़ी आँखें होती हैं और गंडस्थल पर सफेद चिह्न होता है। 6. वैष्णवों का एक प्रकार का तिलक 7. मार्गशीर्ष या अग्रहण मास 8. मृग शिरा नक्षत्र 9. मकर राशि 10. एक प्रकार का यज्ञ 11. अन्वेषण, खोज 12. चन्द्रमा का कलंक 13. कपोत, कबूतर 14. काम शास्त्र में चार प्रकार के पुरुषों में से एक जो चित्रिणी स्त्री के लिए उपयुक्त माना गया है।